https://universitynews.in

24

QP – 077

III Semester B.A./B.S.W. Examination, April/May 2021
(CBCS) (F+ R) (2019-20 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – III
Naatak, Sahityakaron ka Parichay Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्यांश में लिखिए : **(10×1=10)**

1) हेमन्त चलता-पूर्जा आदमी की संज्ञा किसे देता है ?

2) कोयले की दलाली में हाथ क्या होते हैं ?

3) जुगलकिशोर का दूसरा नाम क्या था ?

4) हेमन्त खुद को किसका पुजारी मानता है ?

5) जुगलकिशोर के पिता के घनिष्ठ मित्र कौन थे ?

6) हेमन्त कमला को कार खरीदने के लिए कितने रुपये देता है ?

7) सदानन्द कहाँ काम करता था ?

8) हेमन्त से राजीव कितने साल छोटा था ?

9) 'न्याय की रात' नाटक के नाटककार कौन है ?

10) हेमन्त का सामान किस स्टेशन पर उतार दिया गया था ?

St Claret College LIBRARY Bangalore-560013

II. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(2×7=14)**

1) 'अजी जनाब अपने को फेल मानने वाले और होंगे । यह तो जिन्दगी है । जिन्दगी में ऊँच-नीच तो आता ही रहता है ।'

2) 'मुझे कहाँ मालूम था कि मेरे पिताजी के किन-किन मित्रों के नाम में 'खुल जा सिमसिम' वाली शक्ति है ।'

3) 'यह दुनिया कमजोरों के लिए नहीं है । दया, ममता, करुणा इन सबको मैं कमजोरी मानता हूँ । शक्ति की स्थिति, प्रमाण और निरन्तरता के लिए मैं हिंसा और अपहरण को अपरिहार्य मानता हूँ ।'

P.T.O.

https://universitynews.in

https://universitynews.in

III. 'न्याय की रात' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **(1×16=16)**

अथवा

'मनुष्य के जीवन की सबसे बडी ट्रेजडी यही है कि वह खुद अपना सबसे बडा दुश्मन है ।' इस कथन के आधार पर हेमन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×5=10)**

1) जुगलकिशोर

2) सदानन्द

3) राजीव ।

V. किसी **एक** साहित्यकारों का जीवन-परिचय लिखिए : **(1×10=10)**

1) प्रेमचन्द्र

2) नासिरा शर्मा ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए : **(1×10=10)**

यह देश हमारे पूर्वजों का परम आराध्य रहा है । उनकी सभी साधनाएँ, सभी उद्योग, सभी कामनाएँ देश को सुखी और समुन्नत बनाए रखने के लिए हुआ करती थी । इस प्रकार उनकी देशभक्ति चरमकोटि की थी । उनकी राष्ट्रीयता देश की मिट्टी और जल तक को परम आराध्य मानती थी । वहीं परम्परा आज भी रूढ़ि रूप में विद्यमान है । हम अब भी गंगा, जमुना आदि नदियों के पवित्र जल का पान करते हैं। उनकी मिट्टी को श्रद्धापूर्वक खाते हैं । किन्तु इसके भीतर छिपे हुए रहस्य (राष्ट्रभक्ति) को नहीं समझते । देश को अखंड रखने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपने देश की समस्त नदियों को तीर्थ या दैवी-रूप में मानकर उनकी प्रतिदिन उपासना और स्मरण करने का धार्मिक नियम बनाया था, जो अब भी प्रचलित है । वेदों से लेकर काव्यों तक जितने भी शास्त्र है, सभी इस देश-सम्बन्धी एकता की नीति को धर्म का रूप दिया गया है ।

https://universitynews.in